

धसाबारण

EXTRAORDINARY

भाग II — सण्ड 3---उपसण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 148]

नई घिल्ली, बृहरपित्यार, म र्व 16, 1972/फ ल्गन 26, 1893

No. 148] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 16, 1972 PHALGUNA 26, 1893

इस भाग में भिन्न पुष्ठ लंख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग सं हलन 📑 रूप में रखा आ सर्क ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF STEEL & MINES

(Department of Steel)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th March 1972

- S.O. 195(E)/ESS.COMM/IRON AND STEEL.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act. 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following order further to autend the Iron and Steel (Control) Order, 1956, namely:—
 - (1) This order may be called the Iron and Steel (Control) Amendment Order, 1972.
 - (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
 - 2. In the Iron and Steel (Control) Order, 1956,-
 - (i) after clause 11, the following clause shall be inserted, namely:-
 - "11 A. Power to suspend supplies under Part-II-

Notwithstanding anything contained in this Part or in the conditions governing the acquisition or disposal of any categories of Iron or Steel, the Controller may order suspension of supplies of Iron or Steel forthwith to any person against whom there exists a credible information, or a reasonable suspicion, of the contravention, of any conditions laid down under this Order or of any directions issued thereunder.

Note. The provisions of this clause shall be invoked only as an interim action in order to forestall further mis-utilisation of iron or steel, and shall be followed up with further action, regard being had to the circumstances of the case.";

- (ii) in clause 19,-
 - (a) the words and figure "in accordance with the provisions of clause 18" shall be deleted;
 - (b) the words "or otherwise than for the purpose mentioned by him in the application for such acquisition" shall be inserted at the end;
- (iii) after clause 23, the following Clause shall be inserted, namely:-

"23A. Power to suspend supplies under Part-III-

If the Controller is of opinion that any person has utilised any category of scrap otherwise than for the purpose for which the scrap had been acquired by him, the Controller may suspend turther supplies of scrap to such person and take against him such further action as deemed fit in the circumstances of the case.".

[No. F.SC(1)-1(18)/71.]

M. PRASAD, Jt. Secy.

इस्पात घोर जाम मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1972

का॰ ग्रा॰ 195(श्र)/ग्राचः श्रक धरतएं/ल हा तथा इस्पातः.—लोहा भीर इस्पात ग्रावयश्क वस्तु ग्रीधनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रवत्त गिवतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार लोहा ग्रीर इस्पात (नियंत्रण) श्रावेश, 1956 में श्रीर ग्रागे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित ग्रावेश बनाती है, ग्रार्थान् :—

- 1. (1) इस म्रादेश का नाम लोहा भौर इस्पात (नियंत्रण) संशोधन म्रादेश, 1972 होगा ।
 - (2) यह सरकारी राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से लागू होगा।
- 2. लोहा भीर इस्पात (नियंत्रण) धादेश, 1956 में, ---
 - (i) खण्ड 11 के पश्चान् निम्नलिखित खण्ड स्थापित किया जायगा, श्रर्थान् :--
 - "11 (क) भाग II क मधीन सम्बाई निलम्बित करने का मधिकार.---

इस भाग में भ्रथवा किसी प्रकार का लोहा श्रथवा इस्पात लेने भ्रथवा बेचने संस्वत्धी शतों में किसी बात के होते हुए भी, लोहा भौर इस्पात नियंत्रक ऐसे किसी व्यक्ति को, जिसके विरुद्ध इस भावेश के श्रधीन की गई व्यवस्थाओं में से किसी व्यवस्था भ्रथवा उनके भ्रधीन जारी किए गए निदेशों में से किसी निवेश का भ्रतिक्रमण करने के बारे में विश्वसनीय जानकारी होने भ्रथवा कोई युक्ति संगत संदेह होने की दशा में तत्काल लोहे श्रथवा इस्पात की सप्लाई निलम्बित करने का श्रादेश दे सकता है।

न ट:—-इस खण्ड के उपबन्धों का लोहे भ्रथवा इस्पात के भ्रौर भ्रधिक दुरूपयोग का पूर्वानुमान करके उसे रोकने के लिए केवल श्रन्तरिय कार्यवाही करने के लिए ही इस्तेमाल किया जाएगा भ्रौर मामले को दृष्टिगत रखते हुए ग्रागे कार्यवाही की जाएगी।''

- (i) खाड 19 中, --
 - (क) "खद 18 के उपबंधी के शनुसार" शब्द और अंक निकाल दिए जायेंगे ;

- (ख) "भ्रथवा उसके द्वारा ऐसे भ्रजेंन के लिए श्रावेदन पत्न में उल्लिखित उद्देश्य से श्रन्यथा" शब्द श्रन्त में जोड़ दिए जायेंगे ।
- (iii) खण्ड 23 के पश्चात् निम्नलिखित खंड जोड़ दिया जाएगा, ग्रर्थात् :---
- "23 (क) भाग III के अवीन सण्टाई ि ियत करने का आधकार.—यदि नियंत्रक की राय में किसी व्यक्ति ने किसी प्रकार के स्कैप का उस काम से जिसके लिए उसने स्कैप लिया था भिन्न किसी काम के लिए उपयोग किया है, तो नियंत्रक ऐसे व्यक्ति को स्कैप की और सप्लाई निलम्बित कर सकता है और मामले की स्थिति को देखते हुए उसके विरुद्ध ऐसी कार्यवाही, जिसे वह उचित समझे कर सकता है।"

[म॰ मि॰ एस॰ मी॰ (1)-1(18)/71]

म० प्रसाद, संयुक्त सन्ति ।